बाइबल की एक कहानी



आशा | उद्देश्य | जीवन

बचाव



परमेश्वर संसार की सृष्टि करता है

यह कहानी है कि परमेश्वर ने जो कुछ अस्तित्व में है उसे प्रकाश, जीवन और सुंदरता से कैसे भर दिया।



आरम्भ में

आरम्भ में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की। पृथ्वी बेडौल और सुनसान थी, गहरे जल पर अन्धकार था, और परमेश्वर का आत्मा जल के ऊपर मण्डराता था।



प्रकाश

परमेश्वर ने कहा, ‘उजियाला हो,’ और उजियाला हो गया। परमेश्वर ने देखा कि उजियाला अच्छा है और उसने उजियाले को अन्धकार से अलग किया। उसने उजियाले को ‘दिन’ और अन्धकार को ‘रात’ कहा। यह पहला दिन था।



आकाश

दूसरे दिन परमेश्वर ने ऊपर के जल और नीचे के जल को अलग करने के लिए एक विस्तार बनाया। उस बड़े विस्तार को उसने 'आकाश' कहा।



पृथ्वी और समुद्र

तीसरे दिन परमेश्वर ने जल को एक स्थान पर इकट्ठा किया ताकि सूखी भूमि दिखाई दे। उसने सूखी भूमि को 'पृथ्वी' और इकट्ठे जल को 'समुद्र' कहा। परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है।



पौधे और पेड़

परमेश्वर ने घास, बीज देने वाले पौधे और फलदार पेड़ उगाए। हर पौधा और पेड़ अपनी ही जाति के अनुसार आगे उत्पन्न कर सकता था। परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है।



सूर्य, चन्द्रमा और तारे

चौथे दिन परमेश्वर ने आकाश में ज्योतियाँ रखीं: दिन पर प्रकाश देने के लिए बड़ी ज्योति, रात के लिए छोटी ज्योति, और तारे भी। वे दिन, ऋतुएँ और वर्ष बताने के लिए हैं।



समुद्र में जीवन

पाँचवें दिन परमेश्वर ने जल को बड़े समुद्री जीवों और हर प्रकार के तैरने वाले प्राणियों से भर दिया। उसने देखा कि यह अच्छा है और उन्हें बढ़ने और बहुत होने की आशीष दी।



आकाश में पक्षी

उसने हर प्रकार के पक्षी भी बनाए ताकि वे पृथ्वी के ऊपर उड़ें। उसने उन्हें आशीष दी कि वे बहुत बढ़ें और आकाश को भर दें।



पृथ्वी के पशु

छठे दिन परमेश्वर ने घरेलू पशु, जंगली जानवर और भूमि पर रेंगने वाले छोटे जीव बनाए, हर एक अपनी जाति के अनुसार। परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है।



मनुष्य

फिर परमेश्वर ने मनुष्यों को अपने स्वरूप में बनाया। उसने पुरुष और स्त्री की सृष्टि की और उन्हें आशीष दी।



सृष्टि की देखभाल

परमेश्वर ने उन्हें पृथ्वी को भरने, उसकी देखभाल करने और मछलियों, पक्षियों और पशुओं पर जिम्मेदारी के साथ अधिकार रखने का काम दिया।



सबके लिए भोजन

परमेश्वर ने मनुष्यों को बीज देने वाले पौधे और फलदार पेड़ भोजन के लिए दिए। पशुओं और पक्षियों को उसने हरे पौधे दिए।



सब बहुत अच्छा था

परमेश्वर ने अपने बनाए हुए सब कुछ को देखा और पाया कि वह बहुत अच्छा है। आकाश, पृथ्वी और हर जीवित प्राणी उसकी रचना की सुंदरता और देखभाल को दिखाते थे।